छाया के प्रयोग

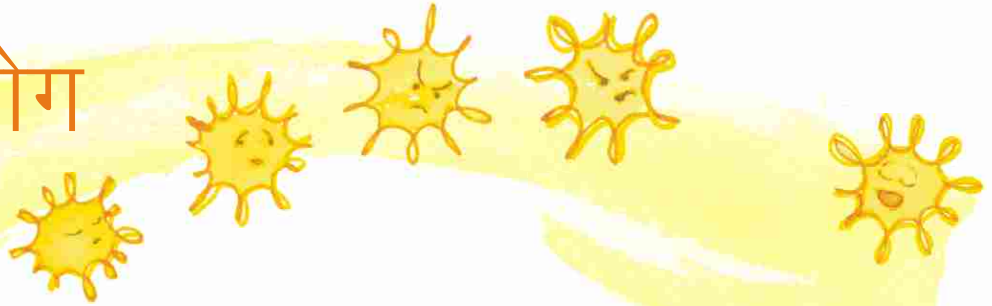

अपने दोस्तों, बड़ों से पूछो कि दिन भर में, हमारी सबसे छोटी छाया कब बनती है? उनके जवाबों को एक तालिका में लिखते जाओ…

प्रमोद मैथिल

दिन भर में हमारी सबसे छोटी छाया तभी बनती है जब सूरज ठीक सर पर होता है!

मेरा ख्याल है कि ज़्यादातर लोग यही कहेंगे कि, "ठीक 12 बजे हमारी सबसे छोटी छाया बनेगी।"
चलो, एक प्रयोग कर देखते हैं कि यह कितना सही है। हम प्रयोग का समय रखेंगे - 11.30 से 12.30 बजे तक।

प्रयोग की तारीखः

क्र.	*समय*	*छड़ी की छाया की लम्बाई*	*अन्य अवलोकन (मसलन - छाया की दिशा)*
1.	11:30		
2.	11:35		
3.	11:40		
4.	……		
5.	12:30		

सामग्रीः पेंसिल, कॉपी, स्केल, एक नुकीले सिरे वाली छड़ी

प्रयोग के दिन आसमान पर बादल रह सकते हैं। बारिश का महीना जो ठहरा। तो अगले दिन यह प्रयोग कर सकते हो।

सारा सामान और दोस्तों को जुटाकर छड़ी को ज़मीन में सीधा गाड़ दो। ध्यान रहे कि नुकीला सिरा ऊपर की ओर रहे। ठीक 11:30 पर छड़ी की नोंक की परछाईं पर निशान लगा लो। स्केल से परछाईं की लम्बाई नाप लो। इसके बाद ठीक 11:35 पर, 11.40 पर…(यानी हर पाँच मिनट बाद) छड़ी की परछाईं की लम्बाई नापते रहो। ऐसा 12:30 तक करते रहो।

अब तक सभी को तुम्हारे सवाल का जवाब मिल गया होगा। दोस्तों का इस पर क्या कहना था हमें ज़रूर बताना।

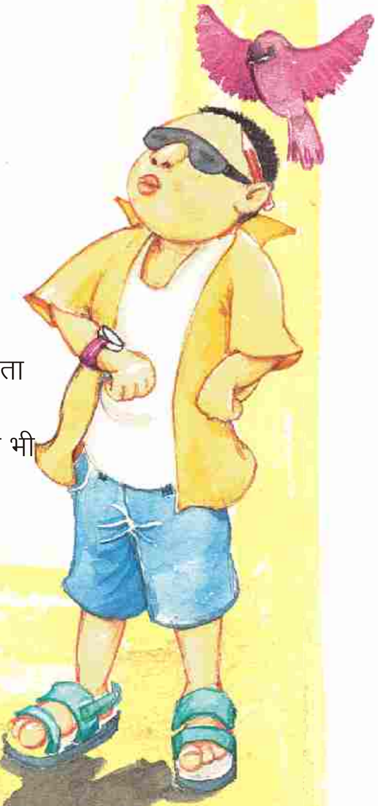

कुछ और अवलोकन
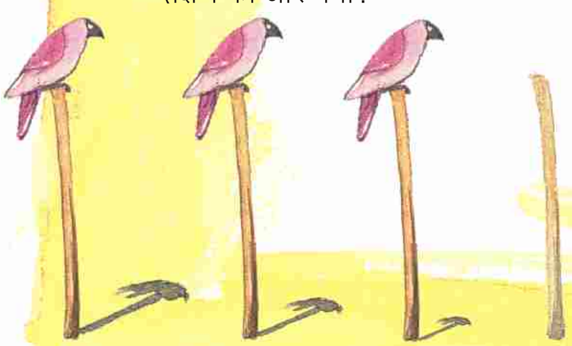
1. सबसे छोटी परछाईं किस दिशा में बनी?
2. दिन में किस वक्त छड़ी की परछाईं दक्षिण की ओर बनी?
3. यह प्रयोग सालभर भी किया जा सकता है। रोज़ परछाईं की दिशा को लिखते जाओ। जब किसी दूसरे शहर जाओ तब भी यह प्रयोग करके देखना।